

उत्तराखण्ड में देहरादून हवाई अड्डे का अंतरराष्ट्रीय वसितार शुरु

चर्चा में क्यों?

इनबाउंड **पर्यटन** को बढ़ावा देने के एक महत्त्वपूर्ण प्रयास में, उत्तराखण्ड सरकार **देहरादून को एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में बदलने** पर कार्य कर रही है।

मुख्य बदि:

- राज्य सरकार ने **देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे और काठमांडू** के बीच सब्सिडी वाली नॉन-स्टॉप उड़ानों के लिये एयरलाइंस से प्रस्ताव मांगे हैं।
 - रिपोर्टों से पता चलता है कि केंद्र सरकार भारत की वैश्विक पर्यटन स्थल बनने की क्षमता का लाभ उठाने की इस पहल का समर्थन करती है।
 - वर्ष 2019 में वदेशी पर्यटक आगमन (Foreign Tourist Arrival-FTA) कुल लगभग 1.1 करोड़ था। वर्ष 2022 में यह संख्या घटकर 62 लाख हो गई लेकिन वर्ष 2023 में यह बढ़कर 92.4 लाख हो गई।**
 - उद्योग **अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाकर**, नए पर्यटन मार्गों को शुरू करने और **वीज़ा प्रक्रियाओं को सरल बनाकर** वर्ष 2019 FTA स्तरों को पार करने की रणनीतियों पर चर्चा कर रहा है।
- इंडिगो और टाटा ग्रुप एयर इंडिया** जैसी प्रमुख एयरलाइनों के साथ-साथ महत्त्वपूर्ण केंद्रों के साथ भारत को एक प्रमुख वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापति करने के लिये महत्त्वाकांक्षी रणनीतियाँ चल रही हैं।
- नेपाल और उत्तराखण्ड की राजधानी शहरों को जोड़कर**, यह प्रयास न केवल ऐतिहासिक संबंधों को मज़बूत करता है बल्कि **पर्यटन, वाणिज्य तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान** हेतु नए रास्ते भी खोलता है।
- भारत ने वर्ष 2014 के बाद से हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी कर दी है** और उनमें से कई को कम-से-कम नज़दीकी जलग्रहण देशों से सीधी उड़ानें प्राप्त करने के लिये अंतरराष्ट्रीय दर्जा प्राप्त होगा।